SET C

Unique Paper Code: **12277505**

Name of the Course: B.A. (Honours) Economics (CBCS)

Name of the Paper: Political Economy – I

Duration: 3 hours Maximum Marks: 75

Note: Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.
उत्तर हिंदी या अंग्रेजी में किसी में भी माध्यम में लिख सकते है, परन्तु पूरे प्रश्नपत्र के दौरान एक ही माध्यम होना चाहिए।

Attempt any four questions. There is internal choice in questions 4, 5 and 6.
कोई चार प्रश्न कीजिए। प्रश्न 4, 5 और 6 में आंतरिक विकल्प हैं।

1. Do you agree that unemployment is a structural feature of capitalist economies? Explain the views of Marx and Kalecki on this.

   क्या आप सहमत हैं कि बेरोजगारी पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं की एक संरचनात्मक विशेषता है? इस पर मार्क्स और कलेच्की के विचारों की व्याख्या कीजिए।

2. Explain the term "creative destruction". Discuss how Schumpeter analysed the presence of various "restrictive monopoly practices" and "price rigidities" as inevitable strategies to counter such tendencies of creative destruction.

   "रचनात्मक विनाश" शब्द की व्याख्या करें। शुमपीटर ने किस प्रकार विभिन्न "प्रतिबंधात्मक एकाधिकार प्रथाओं" और "मूल्य कठोरता" की उपस्थिति का विश्लेषण रचनात्मक विनाश की ऐसी प्रवृत्तियों का मुकाबला करने के लिए अपरिहार्य रणनीतियों के रूप में किया है? चर्चा करें।

3. Derive the equation on which the "law of the falling tendency of the rate of profit" is established. Explain the working of this law and how it forms the basis for a necessity theory of crisis in capitalism.

   वह समीकरण व्युत्पन्न कीजिए जिस पर "लाभ की दर की गिरती प्रवृत्ति का नियम" स्थापित होता है। इस कानून की कार्यप्रणाली की व्याख्या करें और यह कैसे पूंजीवाद में संकट के एक आवश्यकता सिद्धांत के लिए आधार बनाता है।

mnotes.in

4 (a) “It is not the consciousness of people that determines their existence, but their social existence that determines their consciousness.” (Marx). Elucidate the statement.

OR

(b) Explain the concept abstract labour and the relevance of it in Marx’s analysis of capitalism. Discuss why labour power is considered a commodity in the capitalist system. What are the essential differences between the commodity labour power and any other commodity under capitalist production?

(क) ”लोगों की चेतना उनके अस्तित्व को निर्धारित नहीं करती है, बल्कि उनका सामाजिक अस्तित्व उनकी चेतना को निर्धारित करता है।” (मार्क्स)। कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

(ख) मार्क्स के पूंजीवाद के विश्लेषण में अमूर्त श्रम की अवधारणा और इसकी प्रासंगिकता की व्याख्या करें। चर्चा करें कि पूंजीवादी व्यवस्था में श्रम शक्ति को एक वस्तु क्यों माना जाता है। पूंजीवादी उत्पादन के तहत वस्तु श्रम शक्ति और किसी भी अन्य वस्तु के बीच आवश्यक अंतर क्या हैं?

5 (a) Discuss the nature of contemporary finance capital and compare it with finance capital that Lenin conceptualised in his work on imperialism. What are the general consequences of the current globalisation of finance capital and particularly what are the possible implications for the third world countries?

OR

(b) “The fact that (*perfect*) competition is not compatible with modern, technologically advanced production is by no means tantamount to the proposition that monopoly is a rational framework for development of productive forces.” Elucidate the above statement of Paul Baran. Does this mean that Baran preferred perfect competition to monopoly?

(क) समकालीन वित्त पूंजी की प्रकृति पर चर्चा करें और इसकी तुलना उस वित्तीय पूंजी से करें जिसकी अवधारणा लेनिन ने साम्राज्यवाद पर अपने काम में की थी। वित्त पूंजी के वर्तमान वैश्वीकरण के सामान्य परिणाम क्या हैं और विशेष रूप से तीसरी दुनिया के देशों के लिए संभावित प्रभाव क्या हैं?

अथवा

(ख) ”यह तथ्य कि (पूर्ण) प्रतिस्पर्धा आधुनिक, तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादन के साथ संगत नहीं है, इस प्रस्ताव के समान नहीं है कि उत्पादक शक्तियों के विकास के लिए एकाधिकार एक तर्कसंगत ढांचा है।” पॉल बरान के उपरोक्त कथन को स्पष्ट कीजिए। क्या इसका मतलब यह है कि बरान ने एकाधिकार को पूर्ण प्रतिस्पर्धा से अधिक पसंद किया है?

6 (a) What is the significance of the right to private property for the functioning of the capitalist system? Explain what Robert Heilbroner means by the "negative form of power" implicit in it and its relevance. Is the right to private property akin to the usufruct rights? Explain.

OR

(b) Discuss the role of "primitive accumulation" and "accumulation by dispossession" in the evolutionary and contemporary phases of capitalism.

(क) पूंजीवादी व्यवस्था के कामकाज के लिए निजी संपत्ति के अधिकार का क्या महत्व है? स्पष्ट करें कि इसमें निहित "शक्ति के नकारात्मक रूप" से रॉबर्ट हीलब्रोनर का क्या अर्थ है और इसकी प्रासंगिकता समझाऐं। क्या निजी संपत्ति का अधिकार सूदखोरी के अधिकार के समान है? समझाऐं।

अथवा

(ख) पूंजीवाद के विकासवादी और समकालीन चरणों में "आदिम संचय" और "बेदखली द्वारा संचय" की भूमिका पर चर्चा करें।

munotes.in